समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मुकेश खन्ना ने दोस्तों से उधार लेकर बनाई थी 'शक्तिमान', स्टाफ ने भी किया आर्थिक सहयोग।

Publisher

Published on 21 May 2025

शक्तिमान बनाने के पीछे छुपी संघर्ष भरी कहानी।

90 के दशक का सबसे **लोकप्रिय भारतीय सुपरहीरो शो** '**शक्तिमान**' आज भी लाखों दिलों की धड़कन बना हुआ है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस आइकॉनिक शो के **निर्माता** और **अभिनेता मुकेश खन्ना** को इस शो की शूटिंग के लिए पैसे उधार लेने पड़े थे ?

मुकेश खन्ना ने साल **1997** में '**शक्तिमान**' की शुरुआत की थी, जो **2005** तक **दूरदर्शन** पर प्रसारित हुआ। यह शो बच्चों और बड़ों दोनों में बेहद लोकप्रिय हुआ। परंतु इसकी सफलता की कहानी के पीछे एक **संघर्ष** और **बलिदान** की अनसुनी दास्तां छिपी है।

पैसे की तंगी मे भी नहीं रुकी शक्तिमान की शूटिंग

जब **मुकेश खन्ना** के पास **शक्तिमान की स्क्रिप्ट** तैयार थी, उन्होंने इसे सबसे पहले **राजश्री प्रोडक्शन** को सुनाया। फिर वे **दूरदर्शन** के पास गए, जहां से शो को मंजूरी मिल गई। लेकिन इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को बनाने के लिए भारी भरकम बजट की जरूरत थी, जो उस समय **मुकेश खन्ना** के पास नहीं था।

दोस्तों से उधार लिए पैसे, फिर भी छोड़ा नहीं सपना

मुकेश खन्ना ने अपने दोस्त **जतिन से 8 लाख** रुपये उधार लिए। जतिन ने शो में पार्टनरशिप की बात की, लेकिन मुकेश ने उसे **सीधे 16 लाख रुपये** लौटा दिए। इसके बाद उन्हें **75 लाख रुपये अंबू मुरारका** ने बिना ब्याज दिए, जो मुकेश ने दो साल में चुका दिए।

स्टाफ ने भी जोड़े पैसे, ताकि शूटिंग जारी रह सके

एक इंटरव्यू में **मुकेश खन्ना** ने बताया, "जब पैसे की कमी होती थी, तो शो का स्टाफ मिलकर ₹15,000 से ₹20,000 इकट्ठा करता था ताकि शूटिंग रोकी न जाए। बाद में मैंने सबको पैसे वापस कर दिए।"

शक्तिमान : एक जुनून जो मिसाल बन गया

'**शक्तिमान**' केवल एक टीवी शो नहीं, बल्कि भारतीय टेलीविजन के इतिहास का एक प्रेरणादायक अध्याय है। **मुकेश खन्ना का समर्पण, संघर्ष और विश्वास** इस शो को आज भी एक क्लासिक बनाता है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.